dainikbhaskar.com

छत्तीसगढ़ से हो रही पोल डे मॉनिटरिंग सिस्टम की शुरुआत

एसएमएस से चुनाव आयोग तक पहुंचेगी ताजा जानकारी

जॉन राजेश पॉल | रायपुर

चुनाव आयोग छत्तीसगढ़ में सबसे पहले पोल डे मानिटरिंग सिस्टम यानी एसएमएस आधारित मतदान दिवस निगरानी प्रणाली शुरू करने जा रहा है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मंगलवार को 72 सीटों के सभी 18 हजार 15 बूथों पर इसे लागू कर दिया है। इससे हर दो घंटे में सभी बूथों से एसएमएस के जरिए ताजा जानकारी आयोग तक पहुंचेगी।

नए सिस्टम से दिल्ली और रायपुर में सर्वर रूम के स्क्रीन पर नक्शों पर दिख जाएगा कि कहां क्या घटनाक्रम हो रहा है। मतदान अधिकारियों को हर बार विशेष फार्मेट में आयोग के सर्वर में एसएमएस करने होंगे। मसलन मतदान स्थल पर सुरक्षित पहुंचने पर ये फार्मेट होगा- इसके लिए पहले से मतदान अधिकारियों या उनके दल में गए कर्मचारियों के मोबाइल नंबर सर्वर में सेव कर दिए गए हैं। रिपोर्ट में देरी होने पर सेक्टर मजिस्ट्रेट से पल-पल की जानकारी मांगी जाएगी। इसके लिए राजधानी में सीईओ दफ्तर में हर अधिकारी को तीन-तीन जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सर्वर रूम में पूरी आईटी टीम भी एक्टिव हो गई है। अधिकारी ईवीएम खराब होने, कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने, किसी तरह समस्या उत्पन्न होने और दिक्कतें दूर हो जाने जैसी विषय परिस्थितियों में भी एसएमएस कर सकेंगे। जिन अफसरों ने वितरण केंद्रों पर अपने मोबाइल नंबर दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के अफसर की सोच

पोल डे मानिटरिंग सिस्टम छत्तीसगढ़ के आईएएस अधिकारी डॉ. आलोक शुक्ला की सोच है। वे केंद्रीय चुनाव आयोग में डिप्टी कमिश्नर हैं। इससे पहले भी उन्होंने प्रदेश में पीडीएस सिस्टम आन लाइन करने, एसएमएस से वोटरों को चुनाव के दिन की सूचना देने जैसे कई सफल प्रयोग किए हैं।

"पहले चरण के मतदान में इसका प्रयोग किया जाना था, लेकिन कनेक्टिविटी प्रॉब्लम की वजह से इस पर जोर नहीं दिया गया। यह अनूठा सिस्टम प्रायोगिक तौर पर सबसे पहले छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है। सफल रहा तो यह देश के लिए नजीर बनेगा।"

एलेक्स पॉल मेनन, ज्वाइंट सीईओ छत्तीसगढ़